जय शाह ने मंच से कहा, हमारे कप्तान यहां बैठे हैं। मैं उन्हें कप्तान ही कहूंगा, क्योंकि उन्होंने टीम को दो-दो आईसीसी ट्रॉफी जिताई हैं। साल 2023 वर्ल्ड कप में हमने लगातार 10 मैच जीते, लेकिन ट्रॉफी नहीं उठा पाए। - **जय शाह**

बीबीसीआई सचिव, रोहित शर्मा को लेकर बोलते हुए।

आज का खिलाड़ी

वैभव सूर्यवंशी

भारतीय टीम के होनहार क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी ने बेहद ही कम समय में अपने बेहतरीन खेल से हर किसी का ध्यान खींचा है दरअसल, पूर्व पाकिस्तानी कप्तान एवं मौजूदा समय में ग्रीन टीम के बल्लेबाजी के रीढ़ बाबर आजम ने अंडर 19 यूथ वनडे सीरीज में 15 वर्ष की आयु से पहले दो शतक लगाए थे, जबकि वैभव सूर्यवंशी 15 वर्ष की आयु से पहले अंडर 19 यूथ वनडे सीरीज में तीन शतक जड़ चुके हैं। अंडर 19 यूथ वनडे सीरीज में खबर लिखे जाने तक एक से अधिक शतक लगाने का विशेष रिकॉर्ड केवल वैभव सूर्यवंशी और बाबर आजम के नाम दर्ज है।

क्या आप जानते हैं ?... एक पारी में सबसे अधिक छक्के लगाने का रिकॉर्ड इयोन मोर्गन के नाम है, उन्होंने 18 जून 2019 को मैनचेस्टर में अफगानिस्तान के खिलाफ एक पारी में सर्वाधिक छक्के (17) लगाये थे।

पी.वी. सिंधु 13 महीनों में अपने पहले सेमीफाइनल में, अब खिताब पर नजर

कुआलालम्पुर, 9 जनवरी। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने शुक्रवार को हराकर सुपर 1000 इवेंट मलेशिया ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाई। जबकि पुरुष युगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर हो गई। पूर्व वर्ल्ड चैंपियन सिंधु को तीसरी सीड जापान की अकाने यामागुची के रिटायर होने से सेमीफाइनल में प्रवेश मिल गया। यामागुची पहला गेम 21-11 से हारने के बाद मैच से रिटायर हो गईं।

सिंधु एक साल से ज़्यादा समय बाद अपने पहले सेमीफाइनल में पहुंच गईं, जब सीज़न के पहले मलेशिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में डिफेंडिंग वर्ल्ड चैंपियन अकाने यामागुची पहले गेम के बाद चोट के कारण रिटायर हो गईं। सिंधु गुरुवार को यामागुची की हमवतन टोमोका मियाज़ाकी पर शानदार जीत के साथ क्वार्टर में पहुंची थीं, लेकिन यामागुची के खिलाफ मुकाबला इतना आसान होने की उम्मीद नहीं थी।

लेकिन यामागुची अपनी पुरानी फॉर्म में नहीं दिख रही थीं, क्योंकि सिंधु ने पहले गेम के इंटरवल में 11-5 की बढ़त बना ली थी। इसके बीच में, पूर्व खिलाड़ी शॉट लगाने की कोशिश में चोटिल हो गईं, और उनके टखने में मोच आ गई।

पहला गेम खत्म होने में थोड़ा समय लगा, सिंधु ने इसे सिर्फ 12 मिनट में 21-11 से जीत लिया। इसके खत्म होने के तुरंत बाद, यामागुची अंपायर के पास गईं और उन्हें मैच से रिटायर होने के अपने फैसले के बारे में बताया और सिंधु से हाथ मिलाया।

सिंधु आखिरी बार दिसंबर 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल में सेमीफाइनल में पहुंची थीं, जहां उन्होंने हमवतन उन्नित हुड्डा को सीधे गेम में हराया था और फिर फाइनल में चीन की वूओ लुओ यू को आसानी से हराकर खिताब जीता था। वह सिंधु की आखिरी जीत थी और वह मलेशिया ओपन के सेमीफाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त वांग झी यी या छठी वरीयता प्राप्त पुत्री कुसुमा वर्दानी में से किसी एक का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

सिंधु, जो पैर की चोट के कारण बाहर थीं और अक्टूबर के बाद किसी भी टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लिया था, ने मियाज़ाकी पर अपनी जीत के बाद टॉप-लेवल प्रदर्शन बनाए रखने में फिटनेस के महत्व पर ज़ोर दिया।

इस बीच सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को पुरुष युगल क्वार्टरफाइनल में इंडोनेशिया के फजर अल्फियान और मोहम्मद शोहिबुल फिकरी से 47 मिनट तक चले मुकाबले में 10-21, 21-23 से हारकर बाहर हो गये। सात्विक-चिराग की हार के बाद अब टूर्नामेंट में सिंधु ही एकमात्र भारतीय चुनौती रह गई है। पुरुष एकल में लक्ष्य सेन और आयुष शेट्टी पहले ही हार गए थे।

जादुमणि सिंह, पवन बर्तवाल आसान जीत के साथ फाइनल में

ग्रेटर नोएडा, 9 जनवरी। बॉक्सिंग वर्ल्ड कप फाइनल के सिल्वर मेडलिस्ट जादुमणि सिंह ने शुक्रवार को ग्रेटर नोएडा की गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी में एलीट पुरुष और महिला नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में पुरुषों की 50-55किग्रा कैटेगरी के सेमीफाइनल में 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स के गोल्ड मेडलिस्ट अमित पंघाल को हराकर पवन बर्तवाल के साथ एक रोमांचक फाइनल मुकाबले के लिए जगह बनाई। यह पहली बार है जब पुरुष और महिला नेशनल चैंपियनशिप एक ही जगह पर एक साथ हो रही हैं और देश भर से 600 बॉक्सर पुरुष और महिलाओं के लिए 10-10 वेट कैटेगरी में हिस्सा ले रहे हैं। सेमीफाइनल में, जादुमणि ने अमित पर 5:0 से शानदार जीत दर्ज की, जबकि पवन ने मणिपुर के विक्टर सिंह पर भी इसी तरह की जीत हासिल की। इस बीच, ऑल इंडिया पुलिस की विश्व चैंपियन मीनाक्षी (महिलाओं की 45-48 किग्रा) ने मध्य प्रदेश की मलिका मोर को 5:0 से हराया, जबकि निकहत (48-51किग्रा) ने यूपी की कुसुम बघेल के खिलाफ 4:1 के स्प्लिट फैसले से अपना सेमीफाइनल जीता। टोक्यो ओलंपिक की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट लवलीना बोरगोहेन भी महिलाओं की 70-75किग्रा कैटेगरी के फाइनल में पहुंच गईं, उन्होंने उत्तर प्रदेश की इमरोज खान को 5:0 से हराया, जबकि प्रीति (51-54 किग्रा) ने उत्तराखंड की आरती धरियाल को 5:0 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। पुरुषों के सेक्शन में, सचिन (55-60 किग्रा) ने पंजाब के भूपिंदर सिंह को हराया, जबकि राजस्थान के विवेक, हितेश गुलिया (65-70 किग्रा) के सामने टिक नहीं पाए। इसके अलावा, अपनी-अपनी कैटेगरी के फाइनल में पहुंचने वालों में अविनाश जमवाल (60-65 किग्रा), सुमित (70-75 किग्रा) और नरेंद्र (90 किग्रा) शामिल हैं।

खेल संघों से जुड़े विवादों का अब समाधान होना चाहिए : मांडविया

अहमदाबाद (गुजरात), 9 जनवरी। केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री, डॉ. मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को कहा कि खेल संघों से जुड़े विवादों का अब समाधान होना चाहिए।

स्टर्लिंग टी-20 वर्ल्ड कप में आयरलैंड की कप्तानी करेंगे

डबलिन, 9 जनवरी। लगातार दूसरे टी20 वर्ल्ड कप में, अनुभवी बल्लेबाज पॉल स्टर्लिंग आयरलैंड की कप्तानी करेंगे। इस बड़े इवेंट के लिए चुने गए 15 खिलाड़ियों में से 12 खिलाड़ी दो साल पहले यूएसए और वेस्टइंडीज में खेले गए टूर्नामेंट का हिस्सा थे। टीम: पॉल स्टर्लिंग (कप्तान), मार्क अडायर, रॉस अडायर, बेन कैलिट्ज, कर्टिस कैम्फर, गैरेथ डेलानी, जॉर्ज डॉकरेल, मैथ्यू हम्फ्रीज, जोश लिटिल, बैरी मैकार्थी, हैरी टेक्टर, टिम टेक्टर, लॉर्कन टकर (उप-कप्तान), बेन व्हाइट, क्रेग यंग आयरलैंड की राष्ट्रीय पुरुष टीम के चयनकर्ता एंड्र्यू व्हाइट ने कहा, "यह कहना कि हम इस टी20 वर्ल्ड कप का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, यह कम होगा। 2022 के यादगार टूर्नामेंट के बाद, हम शायद 2024 में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर नहीं थे - और तब से इसे सुधारने का इंतजार कर रहे हैं।"

न्यूज़ीलैंड के खिलाफ वनडे के लिए श्रेयस अय्यर को मिली हरी झंडी

मुम्बई, 9 जनवरी। श्रेयस अय्यर को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय टीम टीम का हिस्सा बनने की मंजूरी मिल गई है। वहीं सर्जरी से गुजरने के बाद तिलक वर्मा न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले तीन टी-20 मैचों से बाहर हो गए हैं। श्रेयस को 15 सदस्यीय दल में शामिल तो किया गया था लेकिन उनका खेलना फिटनेस पर तय था। विजय हजारे ट्रॉफी में खेलते हुए अपनी फिटनेस साबित करने के बाद शुक्रवार को वह भारतीय टीम के साथ जुड़ेंगे। वड़ोदरा में में होने वाले पहले एकदिवसीय से केवल दो दिन पहले वह टीम के साथ जुड़ेंगे।

भारत के उपकप्तान श्रेयस को 25 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया में पसली में चोट लगी थी और इसके बाद वह पहली बार भारतीय टीम में वापसी कर रहे हैं। इस चोट के कारण वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज नहीं खेल पाए हैं।

सर्जरी से गुजरने के बाद तिलक वर्मा न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले तीन अंतरराष्ट्रीय टी-20 मैचों से बाहर हो गए हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बताया, गुरुवार की सुबह तिलक को अस्पताल से छुट्टी मिल गई और शुक्रवार को वह हैदराबाद वापस जाएंगे। उनकी हालत स्थिर है। पूरी तरह स्वस्थ होने के बाद वह फिजिकल और स्किल ट्रेनिंग वापस शुरू करेंगे। ट्रेनिंग पर वापस आने के बाद उनकी स्थिति को देखते हुए आखिरी दो टी-20 में उनके खेलने को लेकर निर्णय लिया जाएगा।

मुंबई के लिए 82 और 45 रनों की पारियां खेलकर अय्यर ने वापसी के लिए मजबूत इरादे दिखाए हैं। चोट के कारण शार्दुल की अनुपस्थिति में उन्होंने मुंबई की कप्तानी भी की है। भारत की एकदिवसीय टीम के अधिकतर खिलाड़ी सात जनवरी को वड़ोदरा पहुंच चुके है हैं। 15 सालों से अधिक के समय के बाद वड़ोदरा में कोई अंतरराष्ट्रीय मैच खेला जाएगा। नए बने कोटांबी स्टेडियम ने महिला वनडे और डब्ल्यूपीएल मैचों की मेजबानी की हैं।

भारत की एकदिवसीय टीम इस प्रकार है:- शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), वॉशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), नीतीश कुमार रेड्डी, अर्शदीप सिंह और यशस्वी जायसवाल।

ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट स्टार्स बीबीएल में वापस लौटे

सिडनी, 9 जनवरी। ऑस्ट्रेलिया की एशेज जीतने वाली टेस्ट टीम के कई खिलाड़ी शनिवार से बिग बैश लीग (बीबीएल) में वापसी करेंगे। प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार एलेक्स कैरी (एडिलेड स्ट्राइकर्स), ब्रेंडन डॉगेट (मेलबर्न रेनेगेड्स), जोश इंगलिस (पर्थ स्कॉर्चर्स), उस्मान ख्वाजा और मार्नस लाबुशेन (ब्रिस्बेन हीट), टॉड मर्फी और स्टीव स्मिथ (सिडनी सिक्सर्स), साथ ही जेक वेदराल्ड और ब्यू वेबस्टर (होबार्ट हरिकेंस) शनिवार से अपनी-अपनी टीमों में चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे।

माइकल नेसर (ब्रिस्बेन हीट) और मिशेल स्टार्क (सिडनी सिक्सर्स) भी बाद में लीग में शामिल होंगे। नेसर के 14 जनवरी से और स्टार्क के 16 जनवरी से उपलब्ध होने की उम्मीद है। इस बीच, स्कॉट बोलैंड, ट्रैविस हेड और कैमरन ग्रीन बीबीएल-15 में हिस्सा नहीं लेंगे। बोलैंड (मेलबर्न स्टार्स) और हेड (एडिलेड स्ट्राइकर्स) सभी पांच एशेज टेस्ट खेलने के बाद छोटे रिकवरी ब्लॉक से गुजरेंगे, जबकि ग्रीन अभी भी बिना अनुबंध के हैं क्योंकि वह बड़ी पीठ की सर्जरी से रिकवर हो रहे हैं।

एशेज सीरीज में मिचेल स्टार्क को प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड से नावाज गया

सिडनी, 9 जनवरी। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच खेली गई एशेज सीरीज में का दबदबा रहा। उन्होंने इस सीरीज में धुआंधार गेंदबाजी करते हुए सबसे ज्यादा विकेट लिए। एशेज सीरीज में शानदार परफॉर्मेंस करने के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज अव्रॉर्ड से नवाजा गया। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच खेली गई एशेज सीरीज 2025-2026 संपन्न हो गई। इस सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई बैटर्स और बॉलर्स का दबदबा देखने को मिला। कंगारू टीम ने अपनी बेहतरीन रणनीति और दमदार खेल के चलते इंग्लैंड को ज्यादातर बैकफुट पर रखा। ऑस्ट्रेलिया ने शुरुआत के 3 टेस्ट जीतकर एशेज पर कब्जा कर लिया था। इंग्लैंड ने चौथे टेस्ट में जीत दर्ज की, लेकिन पांचवें और आखिरी टेस्ट में उसे 5 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। इस तरह ऑस्ट्रेलिया ने 2025-2026 एशेज सीरीज 4-1 से अपने नाम की। ऑस्ट्रेलिया को सीरीज जिताने में मिचेल स्टार्क का अहम योगदान रहा। पूरी सीरीज में इंग्लैंड के बल्लेबाज स्टार्क की काट नहीं ढूढ़ पाए। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान ने मैच के दौरान जब कभी स्टार्क को गेंद थमाई तो उन्होंने निराश नहीं किया। वह एशेज सीरीज 2025-26 में सबसे ज्यादा विकेट लेने में सफल रहे। यही वजह रही स्टार्क को प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड से नवाजा गया।

इसी महीने 36 साल के होने जा रहे मिचेल स्टार्क ने अपनी बॉलिंग से इंग्लैंड के बल्लेबाजों के घुटने पर ला दिया। पूरी सीरीज में उन्होंने एक युवा गेंदबाज की तरह गेंदबाजी की। उन्होंने लंबे-लंबे स्पेल में बॉलिंग करके दिखाया कि अभी उनकी बाजुओं में बहुत दम है। पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट में उनकी शानदार गेंदबाजी के आगे इंग्लैंड के बैटर्स ने सेरेंडर कर दिया। इस मुकाबले में स्टार्क ने 10 विकेट लिए। ब्रिस्बेन में खेले गए दूसरे टेस्ट में भी उनकी कातिलाना गेंदबाजी देखने को मिली।

गांव-ढाणी तक मिल रहा गुणवत्तापूर्ण इलाज : सी.एम. भजनलाल शर्मा

चिकित्सा और स्वास्थ्य पर बजट पूर्व चर्चा हुई

- **मुख्यमंत्री ने कहा बजट पूर्व संवाद का उद्देश्य यही है कि इस क्षेत्र के विशेषज्ञों के सुझावों से एक ऐसा बजट बने, जिससे प्रदेश की 8 करोड़ से अधिक जनता को बेहतरीन स्वास्थ्य सेवाएं मिलें**
- **अब तक 37 लाख मरीजों को 7 हजार 300 करोड़ रुपये का कैशलेस इलाज उपलब्ध करवाया**

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा और संवेदना से जुड़ा क्षेत्र है। विगत दो वर्षों में राज्य सरकार ने अपने बजट में स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।

आगे भी स्वास्थ्य के लिए संसाधनों की कोई कमी नहीं रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ बनाया है। इससे गांव-ढाणी तक प्रदेशवासियों को गुणवत्तापूर्ण निःशुल्क उपचार मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि बजट पूर्व संवाद का उद्देश्य यही है कि इस क्षेत्र के विशेषज्ञों के सुझावों से एक ऐसा बजट बने, जिससे प्रदेश की 8 करोड़ से अधिक जनता को बेहतरीन स्वास्थ्य सेवाएं मिलें और राजस्थान स्वास्थ्य में सिरमौर बने। शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र के प्रतिनिधियों के साथ बजट पूर्व संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शास्त्रों के अनुसार 'पहला सुख निरोगी काया' अर्थात् स्वस्थ शरीर ही सबसे बड़ा सुख होता है। इसी अवधारणा के साथ प्रदेश में लागू की गई मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना अब पूरे देश के लिए मिसाल बन गई है।

मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत अब तक 37 लाख मरीजों को 7 हजार 300 करोड़ रुपये का कैशलेस इलाज उपलब्ध करवाया गया है। इसी तरह, मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना के तहत औषधियां, सर्जिकल एवं सूचर्स उपलब्ध करवाने में राजस्थान देश में प्रथम स्थान पर है। जिला चिकित्सालयों में बुजुर्गों के लिए रामाश्रय वार्ड खोले हैं, जहां उन्हें सम्मान के साथ स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं।शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दे रही है ताकि प्रदेश को प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी मिल सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 7 नए मेडिकल कॉलेज खोले गए हैं और 15 नवीन मेडिकल कॉलेज निर्माणाधीन हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि निचले स्तर तक चिकित्सा सेवाओं के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए अनेक कदम उठाए गए हैं। विगत दो वर्षों में 7 उप जिला अस्पताल, 2 सैटेलाइट अस्पताल, 5 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सहित कुल 14 संस्थानों का जिला चिकित्सालयों में क्रमोन्नयन तथा 7 नवीन सैटेलाइट अस्पतालों की स्थापना की गई है। उन्होंने कहा कि 129 उप स्वास्थ्य केंद्रों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में क्रमोन्नयन किया है। करीब 8 हजार 700 चिकित्सा संस्थानों को आयुष्मान आरोग्य मंदिर के रूप में परिवर्तित किया गया एवं 412 शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर संचालित किए गए।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय अखिल अरोरा, प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड, प्रमुख शासन सचिव वित्त वैभव गालरिया सहित वरिष्ठ विभागीय अधिकारी एवं आईएलबीएस हॉस्पिटल, नारायणा हरदयाल ग्रुप, महावीर विकलांग सेवा समिति, इंडियन फार्मासिस्ट एसोसिएशन, यूनीसेफ, महात्मा गांधी हॉस्पिटल, आईएमए राजस्थान, एसएमएस मेडिकल कॉलेज एवं आरयूएचएस के प्रतिनिधियों सहित विभिन्न चिकित्सा एवं स्वास्थ्य से जुड़े संस्थानों के प्रतिनिधि मौजूद थे।

मुख्य सचिव ने किया रोजगार एवं उद्यिमता विभाग के हितधारकों से संवाद

- **मुख्य सचिव ने आईटीआई अधिकारियों को अपने-अपने संस्थानों में संचालित ट्रेड्स तथा प्रस्तावित नए ट्रेड्स की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए**

जयपुर। राजस्थान में प्रधानमंत्री स्किलिंग और रोज़गार ट्रांसफॉर्मेशन (पीएम सेतु) के पायलट प्रोजेक्ट का इम्प्लीमेंटेशन किया जाएगा इसके पहले चरण में प्रोजेक्ट को भिवाड़ी, बालोतरा, भरतपुर, कोटा, बीकानेर, जोधपुर, बांसवाड़ा जिले को लेने की मंज़ूरी दी हैं।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के बेहतर शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है।

इसी दिशा में सरकार द्वारा समयबद्ध एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित करते हुए सरकारी क्षेत्र में 4 लाख तथा निजी क्षेत्र में 6 लाख सहित कुल 10 लाख रोजगार सृजित करने के संकल्प पर निरंतर कार्य किया जा रहा है।

मुख्य सचिव शुक्रवार को शासन सचिवालय में उद्योग-आईटीआई के बेहतर समन्वय, संस्थान प्रबंधन समितियों एवं आईटीआई के सुदृढ़ीकरण के सम्बन्ध में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पीएम सेतु हेतू पायलट प्रोजेक्ट के तहत प्रदेश के अधिक से अधिक आईटीआई को उद्योगों से जोड़ा जाए, जिससे विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ उद्योगों की व्यावहारिक समझ भी प्राप्त हो सकें।

उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए अन्य राज्यों के नवाचारों एवं श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों को अपनाया जाए तथा प्रदेश के आईटीआई को 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' के रूप में विकसित करने की दिशा में ठोस प्रयास किए जाएं। इस अवसर पर उन्होंने झालावाड़ आईटीआई को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई देते हुए अन्य आईटीआई को भी इसी प्रकार कार्य कर शिक्षा के स्तर में निरंतर सुधार लाने के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य सचिव ने संस्थान प्रबंधन समितियों को और अधिक सशक्त बनाने पर जोर दिया। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े आईटीआई अधिकारियों को अपने-अपने संस्थानों में संचालित ट्रेड्स तथा प्रस्तावित नए ट्रेड्स की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही, सभी आईटीआई के दीक्षांत समारोह की जानकारी साझा कर उसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी प्रसारित करने के निर्देश दिए।

बैठक में संदीप वर्मा, अतिरिक्त मुख्य सचिव कौशल, रोजगार एवं उद्यिमता विभाग , पी. रमेश शासन सचिव श्रम विभाग,टीना सोनी शासन सचिव वित्त (व्यय) विभाग, ऋषभ मंडल, आयुक्त कौशल, रोजगार एवं उद्यिमता विभाग, सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं प्रदेश के विभिन्न जिलों के आईटीआई प्राचार्य एवं अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

सुरेन्द्र सिंह शाहपुरा एफएचटीआर के अध्यक्ष बने

जयपुर। फेडरेशन ऑफ हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज़्म ऑफ राजस्थान (एफएचटीआर) की वार्षिक आम सभा का 8 जनवरी को जयपुर में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस अवसर पर सर्वसम्मति से नई प्रबंधन समिति का निर्वाचन किया गया, जिससे संगठन में एक नए नेतृत्व काल का शुभारंभ हुआ। एफएचटीआर के अध्यक्ष पद हेतु सुरेन्द्र सिंह शाहपुरा का निर्वाचन किया गया, जबकि तरुण कुमार बंसल को महासचिव चुना गया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह तथा संयुक्त सचिव हेमन्त मित्तल को नियुक्त किया गया है। अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह शाहपुरा ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नई समिति राजस्थान के पर्यटन एवं आतिथ्य क्षेत्र को नवाचार, समन्वय तथा प्रभावी प्रतिनिधित्व के माध्यम से और अधिक सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

पंचायतों के पुनर्गठन को लेकर हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश में पंचायतों के पुनर्गठन से जुड़े मामलों को लेकर राज्य सरकार से 19 जनवरी तक जवाब देने के लिए कहा है। जस्टिस इंद्रजीत सिंह व जस्टिस रवि चिरानिया की खंडपीठ ने यह आदेश मुन्नालाल शर्मा सहित अन्य की याचिकाओं पर संयुक्त रूप से सुनवाई करते हुए दिए।

पंचायत पुनर्गठन से संबंधित संशोधित अधिसूचनाओं को चुनौती दी गई है। याचिकाओं में कहा कि पुनर्गठन की प्रक्रिया में नियमों व दिशा-निर्देशों का पालन नहीं किया है और इससे स्थानीय नागरिकों व पंचायत प्रतिनिधियों के अधिकारों की अवहेलना हुई है। ऐसे में पंचायतों की सीमाओं में किए गए बदलावों से प्रशासनिक असुविधा होगी और आमजन को मूलभूत सुविधाओं तक पहुंचने में परेशानी का सामना करना पडेगा। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता हनुमान चौधरी, लक्ष्मीकांत मालपुरा और प्रदीप कलवानिया ने अदालत को बताया कि पंचायत पुनर्गठन की प्रक्रिया में जनसुनवाई और आपत्तियों के निस्तारण की प्रक्रिया की अनदेखी कर संशोधित अधिसूचनाएं जल्दबाजी में जारी की हैं।

जन स्वास्थ्य विभाग का अधीक्षण अभियंता आईफोन की रिश्वत लेते पकड़ा गया

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (पीएचईडी) में रिश्वतखोरी के एक बड़े मामले का पर्दाफाश करते हुए झालावाड़ के अधीक्षण अभियंता (एसई) विष्णु चंद गोयल को रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। आरोपी अधिकारी ने परिवादी से बकाया बिल पास करने और परेशान न करने की एवज में 84 हजार रुपए कीमत का आईफोन एक्सआर मोबाइल रिश्वत के रूप में लिया। एसीबी पुलिस महानिदेशक गोविंद गुप्ता ने बताया कि झालावाड़ टीम को 5 जनवरी 2026 को एक ठेकेदार ने शिकायत दी थी। परिवादी ने बताया कि वह पीएचईडी खंड झालावाड़ में हैंडपंप रिपेयर,पाइपलाइन लीकेज सुधार और लैंड संपर्क से जुड़े कार्य कर रहा है। पूर्व में रजिस्ट्रेशन के नाम पर उससे 25 हजार रुपए वसूले जा चुके हैं। इसके बाद उसे व उसके पार्टनर को बार-बार परेशान कर काम से हटाने और डिबार करने की धमकियां दी जा रही थीं। परिवादी के अनुसार अगस्त माह से उससे आईफोन मोबाइल की मांग की जा रही थी। लेबर बिल को फर्जी बताकर भुगतान रोक दिया गया और त्योहारों पर 'कुछ नहीं देने' की बात कहकर दबाव बनाया गया। इस पर जब परिवादी अधीक्षण अभियंता विष्णु चंद गोयल से मिला तो उन्होंने बकाया बिल पास करने और भविष्य में परेशान न करने की एवज में आईफोन 16 प्रो मोबाइल की मांग की, जिसकी कीमत करीब 1.30 से 1.50 लाख रुपए बताई गई। शिकायत के आधार पर 7 जनवरी 2026 को रिश्वत मांग का गोपनीय सत्यापन कराया गया, जिसमें मोबाइल फोन की रिश्वत मांग की पुष्टि हुई।